

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester- III

Core Course : CCPPG322 झारखंड की पारंपरिक कलाएँ

Model Question Paper – Set A

Paper Code : CCPPG322

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- a) सरहुल नृत्य किस पर्व से संबंधित है?
- b) अखड़ा क्या है?
- c) तसर किस प्रकार का रेशा है?
- d) जादोपटिया चित्रकला का संबंध किस जनजाति से है?
- e) लोक संगीत किसे कहते हैं?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) झारखंड की पारंपरिक चित्रकलाओं में प्राकृतिक रंगों के उपयोग का महत्व बताइए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. झारखंड की पारंपरिक कला की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप, विशेषताओं एवं सांस्कृतिक आधार का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
4. कोहबर चित्रकला की उत्पत्ति, विशेषताओं, प्रतीकों एवं सांस्कृतिक महत्व का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
5. ढोकरा कला की उत्पत्ति, विकास, निर्माण प्रक्रिया, कलात्मक विशेषताओं एवं सांस्कृतिक महत्व का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
6. तसर उद्योग का इतिहास, विकास, उत्पादन प्रक्रिया एवं झारखंड की अर्थव्यवस्था में उसके योगदान का विश्लेषण कीजिए।
7. अखड़ा संस्कृति का स्वरूप, विकास एवं जनजातीय समाज में उसकी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
8. आधुनिक मंच, दूरदर्शन, रेडियो, सोशल मीडिया एवं डिजिटल माध्यमों का झारखंड की लोक प्रदर्शन कलाओं पर प्रभाव का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-III

Core Course : CCPPG322 झारखंड की पारंपरिक कलाएँ

Model Question Paper – Set B

Paper Code : CCPPG322

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- (i) सोहराय चित्रकला किस पर्व से संबंधित है?
- (ii) मांदर किस प्रकार का वाद्य यंत्र है?
- (iii) कोहबर चित्रकला मुख्यतः कहाँ बनाई जाती है?
- (iv) लोक आभूषण किसकी सांस्कृतिक पहचान माने जाते हैं?
- (v) करमा नृत्य किस अवसर पर किया जाता है?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) झारखंड की पारंपरिक चित्रकलाओं में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. झारखंड की पारंपरिक कला, संस्कृति एवं समाज के पारस्परिक संबंध का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

4. सोहराय चित्रकला का स्वरूप, विकास, प्रमुख विशेषताओं एवं सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण कीजिए।

5. बाँस एवं बेंत शिल्प का इतिहास, विकास, उपयोगिता एवं झारखंड के ग्रामीण जीवन में उसके महत्व का विश्लेषण कीजिए।

6. झारखंड के लोक आभूषणों का स्वरूप, प्रकार, सांस्कृतिक महत्व एवं सामाजिक भूमिका का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

7. छऊ नृत्य की उत्पत्ति, विकास, शैली, मुखौटा परंपरा एवं वैश्विक पहचान का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

8. वैश्वीकरण एवं आधुनिकीकरण के संदर्भ में झारखंड की लोक नृत्य, लोक संगीत एवं प्रदर्शन कलाओं के समक्ष उपस्थित चुनौतियों तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

Prepared by

Dr. Basudev Mahto

Assistant Professor & In-charge

Department of Panchpargania

P.P.K. College, Bundu

(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)

पी.जी. पंचपरगनिया

Semester- III

Core Course : CCPPG322 झारखंड की पारंपरिक कलाएँ

Model Question Paper – Set C

Paper Code : CCPPG322

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

General Instructions

1. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. The figures in the right margin indicate full marks.
उपांत में दिए गए अंक प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक के द्योतक हैं।
3. Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों समूहों से उत्तर दें।
4. Group – A carries compulsory questions.
समूह-अ के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
5. Answer any four questions from Group – B.
समूह-ब के छह प्रश्नों में से किसी चार प्रश्नों के उत्तर दें।
6. Answer all sub-parts of a question at one place.
किसी प्रश्न के सभी उपभागों का उत्तर एक ही स्थान पर लिखें।

Group – A

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें : (1×5=5)

- (i) पत्थर शिल्प में किस सामग्री का प्रयोग किया जाता है?
- (ii) छऊ नृत्य झारखंड के किस जिले से प्रसिद्ध है?
- (iii) भित्ति चित्र किसे कहते हैं?
- (iv) शिल्पकार किसे कहते हैं?
- (v) चित्रकला किसे कहते हैं?

2. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर दें : (5)

(a) झारखंड के प्रमुख लोक वाद्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

Group – B

निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किसी चार के उत्तर दीजिए।

(4×15=60)

3. झारखंड की पारंपरिक कला में प्रकृति, पर्यावरण एवं मानव जीवन के संबंध का विश्लेषण कीजिए।
4. जादोपटिया चित्रकला की उत्पत्ति, विकास, शैली एवं कथा-वाचन परंपरा का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
5. झारखंड की मिट्टी एवं पत्थर शिल्प की परंपरा, निर्माण प्रक्रिया तथा कलात्मक विशेषताओं का समालोचनात्मक अध्ययन कीजिए।
6. झारखंड की शिल्प एवं हस्तकलाओं का ग्रामीण विकास, स्वरोज़गार एवं महिला सशक्तिकरण में योगदान का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
7. झारखंड के लोक संगीत का स्वरूप, विकास एवं सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण कीजिए।
8. झारखंड की लोक प्रदर्शन कलाओं का पर्यटन, रोजगार एवं सांस्कृतिक उद्योग के विकास में योगदान का विश्लेषण कीजिए।

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)